**Date –05- May 2025**

# बुद्ध से बुलेट ट्रेन तक : 21वीं सदी में भारत – जापान द्विपक्षीय संबंध

## खबरों में क्यों?

- हाल ही में भारत और जापान ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाते हुए 'यूनिकॉर्न मास्ट्स' नौसैनिक प्रौद्योगिकी के सह-निर्माण की शुरुआत की है।
- यह दोनों देशों के बीच पहला संयुक्त रक्षा विनिर्माण उपक्रम है, जो जापान की सुरक्षा नीति में आ रहे लचीलेपन और बदलते दृष्टिकोण को दर्शाता है।
- यह पहल केवल एक रक्षा सहयोग नहीं, बल्कि पनडुब्बियों, फाइटर जेट्स और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक साझेदारी की दिशा में एक मजबूत कदम मानी जा रही है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2025 में प्रस्तावित जापान यात्रा के दौरान रक्षा, तकनीकी और आर्थिक सहयोग को और प्रगाढ़ किए जाने की संभावना है।
- जापान पहले से ही भारतीय बुनियादी ढांचे में बड़ा निवेश कर रहा है, और दोनों देश क्वाड और संयुक्त सैन्य अभ्यासों के माध्यम से आपस में जुड़े हुए हैं। हालाँकि, उच्च तकनीक और रक्षा के क्षेत्र में सहयोग अभी तक उतना आगे नहीं बढ़ पाया था।
- व्यापार में संतुलन की कमी, परियोजनाओं में देरी और लोगों के बीच सीमित संपर्क जैसी कुछ चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं। फिर भी, नवीनतम रक्षा सहयोग एक स्थिर, स्वतंत्र और सुरक्षित इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की दिशा में दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता और परिपक्व होती साझेदारी का प्रतीक है।

## भारत और जापान के संबंधों का विकास :

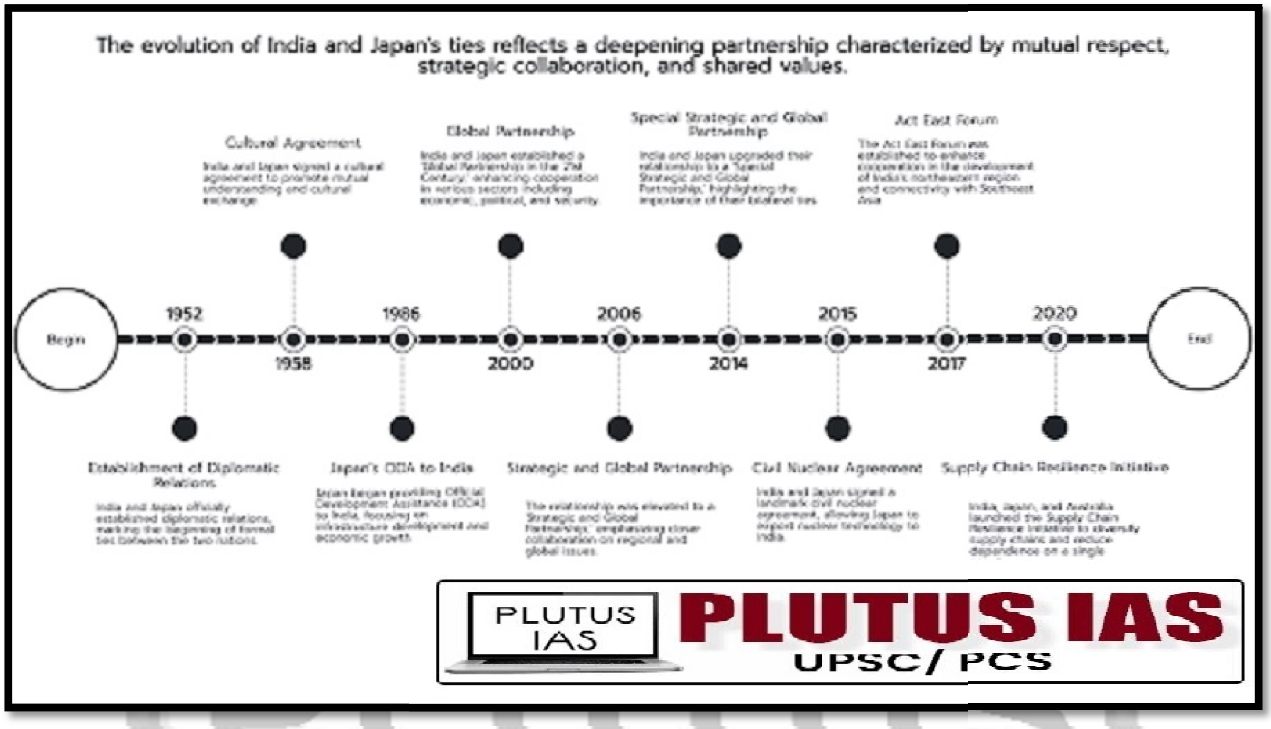


**भारत - जापान बहुआयामी साझेदारी सहयोग :**

1. **रक्षा एवं सामरिक सहयोग :** दोनों देश मिलकर सैन्य अभ्यास करते हैं (जैसे JIMEX, धर्मा गार्जियन, MILAN), उच्च स्तर पर बातचीत करते हैं (2+2 संवाद), एक-दूसरे की सेनाओं को सहायता प्रदान करने के लिए समझौते किए हैं (ACSA), और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाए रखने के लिए एक जैसी सोच रखते हैं।
2. **आर्थिक संबंध और व्यापारिक भागीदारी :** भारत और जापान दोनों देश मिलकर संयुक्त रूप से एक व्यापार समझौता (CEPA, 2011) पर हस्ताक्षर किया है, जापान भारत में खूब निवेश कर रहा है, दोनों देश मिलकर उद्योगों को और प्रतिस्पर्धी बना रहे हैं, और नए व्यवसायों (स्टार्टअप) को भी बढ़ावा दे रहे हैं।
3. **अवसंरचनात्मक विकास :** बुलेट ट्रेन (मुंबई-अहमदाबाद) और दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर जैसी मेगा परियोजनाएं जापानी वित्त और तकनीकी सहयोग से साकार हो रही हैं, जो भारत के आधारभूत ढांचे को नई दिशा दे रही हैं।
4. **विज्ञान एवं उच्च तकनीक के क्षेत्र में सहयोग :** भारत और जापान दोनों देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), सेमीकंडक्टर, क्वांटम टेक्नोलॉजी और अंतरिक्ष के क्षेत्र में जैसे इसरो और JAXA का चंद्र मिशन जैसी परियोजना पर मिलकर काम कर रहे हैं।
5. **हरित ऊर्जा एवं पर्यावरणीय सहयोग :** भारत और जापान दोनों मिलकर संयुक्त रूप से हरित हाइड्रोजन, नवीकरणीय ऊर्जा, ई-मोबिलिटी और शून्य-कार्बन लक्ष्य प्राप्ति में दोनों देश मिलकर काम कर रहे हैं। वे मिलकर ग्रीन हाइड्रोजन, सौर और पवन ऊर्जा जैसे स्रोतों को बढ़ावा दे रहे हैं, इलेक्ट्रिक वाहनों पर काम

कर रहे हैं, और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्यों को साथ मिलकर प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं।

6. **कौशल विकास एवं मानव संसाधन विनिमय :** भारत और जापान मिलकर लोगों को प्रशिक्षण दे रहे हैं (TITP और SSW कार्यक्रम), भाषा सिखा रहे हैं, और एक-दूसरे के देशों में काम करने के अवसरों को बढ़ा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से युवा भारतीयों को जापान में कार्य और प्रशिक्षण के अवसर मिल रहे हैं, जिसमें भाषा प्रशिक्षण भी सम्मिलित है।
7. **सांस्कृतिक संबंध और जनसंपर्क :** भारत और जापान दोनों देशों की बौद्ध धर्म जैसी पुरानी संस्कृति है। दोनों देशों के बीच के इस साझा बौद्ध विरासत के आधार पर सांस्कृतिक संबंधों को मजबूती मिल रही है। शिक्षा, अकादमिक विनिमय और युवाओं की सहभागिता में वृद्धि हो रही है।
8. **क्षेत्रीय सहयोग के माध्यम से क्षेत्रीय विकास में आपसी सहयोग और रणनीतिक साझेदारी :** दोनों देश मिलकर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता लाने, पड़ोसी देशों में विकास करने और क्वाड जैसे संगठनों के माध्यम से मिलकर काम कर रहे हैं। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता, संपर्क और बहुपक्षीय ढांचों (जैसे क्वाड) के तहत साझेदारी को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

## भारत - जापान संबंध : बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी का प्रतीक :

1. **रणनीतिक सहयोग :** जापान, भारत के साथ एक स्वतंत्र और समावेशी इंडो-पैसिफिक की रचना में समान सोच वाला भागीदार है, जो क्षेत्रीय सुरक्षा और समुद्री हितों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।
2. **रक्षा क्षेत्र में विश्वसनीयता :** संयुक्त सैन्य अभ्यास, रक्षा संवाद और तकनीकी सहयोग जैसे माध्यमों से जापान भारत की रक्षा क्षमताओं को सशक्त बना रहा है।
3. **आर्थिक और अवसंरचनात्मक साझेदारी :** जेआईसीए के सहयोग से जापान भारत में बुलेट ट्रेन, मेट्रो, औद्योगिक गलियारे जैसी परियोजनाओं को गति दे रहा है, जिससे भारत के अवसंरचना परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव आ रहा है।
4. **प्रौद्योगिकी एवं नवाचार :** जापान भारत के साथ उन्नत तकनीकी क्षेत्रों जैसे एआई, सेमीकंडक्टर और ग्रीन टेक्नोलॉजी में सहयोग को सशक्त कर रहा है, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है।
5. **मानव संसाधन विकास :** TITP और SSW जैसे कार्यक्रम भारतीय युवाओं को कौशल विकास और अंतरराष्ट्रीय अवसर प्रदान कर भारत-जापान संबंधों को मानव-केंद्रित आधार देते हैं।
6. **सांस्कृतिक सामीप्य :** बौद्ध और आध्यात्मिक विरासत दोनों देशों के मध्य गहरे सांस्कृतिक संबंधों को पोषित करती है, जो सॉफ्ट पावर और आपसी समझ का आधार बनती है।
7. **वैश्विक मंचों पर समन्वय :** G4, QUAD और G20 जैसे मंचों पर भारत-जापान की साझी दृष्टि एक न्यायपूर्ण, बहुध्रुवीय और नियम-आधारित विश्व व्यवस्था के लिए एकजुट प्रयासों को दर्शाती है।

**भारत और जापान की साझेदारी चिंता के क्षेत्र :**

1. **जबरदस्त रक्षा सहयोग:** साझा सुरक्षा हितों के बावजूद, रक्षा व्यापार और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण क्षमता की तुलना में सीमित हैं।
2. **हाई-टेक सहयोग में धीमी प्रगति:** सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स और एआई जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों में सहयोग अभी भी शुरुआती चरण में है और इसमें तेजी लाने की जरूरत है।
3. **व्यापार असंतुलन:** जापान के साथ भारत का व्यापार घाटा जारी है, जापानी बाजार में भारतीय कृषि और फार्मा निर्यात की पहुंच सीमित है।
4. **सीईपीए का कम उपयोग:** गैर-टैरिफ बाधाओं और नियामक चुनौतियों के कारण 2011 व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) का पूरी तरह से लाभ नहीं उठाया गया है।
5. **बुनियादी ढांचे के कार्यान्वयन में देरी:** भारत में जापानी-वित्त पोषित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को अक्सर भूमि अधिग्रहण के मुद्दों, नौकरशाही देरी और लागत में वृद्धि का सामना करना पड़ता है।
6. **लोगों से लोगों के बीच सीमित संबंध:** कम पर्यटन, प्रतिबंधित वीज़ा पहुंच और जापान में कम भारतीय पेशेवरों ने सांस्कृतिक और सामाजिक एकीकरण को धीमा कर दिया है।
7. **भाषा और सांस्कृतिक बाधाएँ:** भाषा का अंतर व्यवसाय, शिक्षा और कौशल विनिमय कार्यक्रमों में गहरे सहयोग में बाधा डालता है।
8. **बहुपक्षीय नवाचार प्लेटफार्मों में सहयोग का अभाव:** नवप्रवर्तन में पारस्परिक रुचि के बावजूद संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, विश्वविद्यालय सहयोग और तकनीकी-स्टार्टअप संबंध सीमित हैं।

**साझेदारी को मजबूत करने का तरीका :**

1. **रक्षा और सुरक्षा संबंधों को गहरा करें:** पनडुब्बियों, ड्रोन और साइबर रक्षा को शामिल करते हुए यूनिकॉर्न मास्ट से परे संयुक्त उत्पादन का विस्तार करें; अधिक बार त्रि-सेवा अभ्यासों के माध्यम से अंतर संचालनीय को बढ़ाना।
2. **संतुलित व्यापार के लिए सीईपीए में सुधार:** गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करने और भारतीय निर्यात (जैसे फार्मा, कृषि-उत्पाद) को बढ़ावा देने के लिए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) की समीक्षा और आधुनिकीकरण करें।
3. **हाई-टेक सहयोग में तेजी लाएं:** अर्धचालक, एआई, हरित हाइड्रोजन, क्वांटम तकनीक और रोबोटिक्स में संयुक्त नवाचार केंद्र स्थापित करें; अनुसंधान एवं विकास और स्टार्ट-अप में सह-निवेश को बढ़ावा देना।
4. **फास्ट-ट्रैक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स:** समय पर भूमि अधिग्रहण, मंजूरी और समन्वय सुनिश्चित करते हुए जेआईसीए-वित्त पोषित परियोजनाओं की निगरानी और तेजी से काम करने के लिए एक संयुक्त टास्क फोर्स बनाएं।
5. **कौशल गतिशीलता और भाषा प्रशिक्षण को बढ़ावा देना:** रोजगार और सांस्कृतिक अंतर को पाटने के लिए भारत में जापानी भाषा प्रशिक्षण केंद्रों के साथ टीआईटीपी और एसएसडब्ल्यू कार्यक्रमों का विस्तार करें।

6. **लोगों से लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना:** आपसी परिचय और सद्भावना बढ़ाने के लिए पर्यटन, शैक्षणिक आदान-प्रदान, छात्रवृत्ति और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा दें।
7. **बहुपक्षीय समन्वय को मजबूत करना:** वैश्विक और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए QUAD, G20, G4 (UNSC सुधार), और इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (IPEF) में घनिष्ठ सहयोग जारी रखें।
8. **सॉफ्ट पावर डिप्लोमेसी का लाभ उठाएं:** हार्नेस ने सार्वजनिक जुड़ाव और सांस्कृतिक संबंधों को गहरा करने के लिए बौद्ध विरासत, योग, व्यंजन, सिनेमा और एनीमे सहयोग साझा किया।

**निष्कर्ष :**

- भारत और जापान के बीच साझेदारी आपसी सम्मान, लोकतांत्रिक मूल्यों और एक स्वतंत्र, खुली एवं नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक की साझा दृष्टि पर आधारित है। यह संबंध समय की कसौटी पर खरा उतरा है और रक्षा, बुनियादी ढांचे तथा आर्थिक सहयोग के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति भी हुई है। हालांकि, उच्च प्रौद्योगिकी और जन-से-जन संपर्क जैसे प्रमुख क्षेत्रों में संभावनाएं अभी भी पूर्ण रूप से साकार नहीं हो सकी हैं। रक्षा उपकरणों के सह-उत्पादन में हालिया उपलब्धियां इस संबंध को एक नए रणनीतिक स्तर पर ले जाने की दिशा में संकेत करती हैं।
- इस साझेदारी की समग्र क्षमता को साकार करने हेतु दोनों देशों को व्यापारिक बाधाओं को हटाने, संयुक्त परियोजनाओं में तेजी लाने तथा सांस्कृतिक एवं तकनीकी सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे। यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति और परस्पर प्रतिबद्धता बनी रहती है, तो भारत

और जापान न केवल इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी शांति, स्थिरता और समृद्धि के सशक्त आधार स्तंभ बन सकते हैं।

- वस्तुतः, जापान और भारत के संबंध केवल पारंपरिक मित्रता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक जीवंत, बहुआयामी और भविष्योन्मुखी सहभागिता का प्रतीक हैं, जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता, समृद्धि और संतुलन सुनिश्चित करने के साझा लक्ष्य पर केंद्रित है। भारत और जापान का यह आपसी द्विपक्षीय संबंध और सहयोग आने वाले समय में क्षेत्रीय संतुलन और विकास को सुनिश्चित करने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

**स्त्रोत - पी.आई. बी एवं द हिन्दू।**

## प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न :

**Q.1. भारत-जापान संबंधों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें :**

1. भारत और जापान ने 2014 में व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) पर हस्ताक्षर किए।
2. दोनों देशों के बीच अधिग्रहण और क्रॉस-सर्विसिंग समझौता (एसीएसए) उनके सशस्त्र बलों के बीच आपसी रसद समर्थन की सुविधा प्रदान करता है।
3. जापान क्वाड का सदस्य है और फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक (एफओआईपी) पहल पर भारत के साथ सहयोग करता है।

**ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?**

A. केवल 1 और 2

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 3

D. 1, 2 और 3

**उत्तर - B**

## मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न :

**Q.1. चर्चा कीजिए कि क्या भारत और जापान, जो साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए समान दृष्टिकोण पर आधारित एक विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी साझा करते हैं, अब भी उन क्षेत्रों की संभावनाओं का पूरा लाभ उठाने में असमर्थ हैं जिनका लाभ अभी तक पूरी तरह से नहीं हो पाया है? (शब्द सीमा - 250 अंक - 15 )**

PLUTUS IAS
UPSC/ PCS
MORNING BATCH
हिंदी साहित्य
वैकल्पिक
ONLINE BATCH AVAILABLE AT
CHANDIGARH
BATCH STARTING FROM
09th & 23rd MAY 2025
10:00AM – 12:00PM
2nd Floor, Apsara Arcade, Karol Bagh Metro Station Gate No. – 6, New Delhi 110005
OUR CENTERS Delhi I Chandigarh I Shimla I Bilaspur
PLUTUS IAS WHATSAPP CHANNEL
Click to Know More
Dr. Akhilesh Kr. Shrivastava
M. A , M. Phil & Ph.D JNU New Delhi.
UPSC CSE Interview - 2017, 2018 & 2020.
BPSC CSE 64th, 67th & 68th Interview.
UGC NET - JRF ( 2018)
info@plutusias.com
8448440231
www.plutusias.com